Since 1990
UNIQUE IAS
STUDY CIRCLE INDIA'S PREMIER INSTITUTE
AN ISO-9001:2015 CERTIFIED IAS INSTITUTE

Central India's First ISO 9001:2015 Certified Institute
EXAM PATTERN OF MPPSC

राज्य सेवा परीक्षा वर्ष–2020 से लागू परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा–योजना

1. राज्य सेवा परीक्षा के तीन क्रमिक चरण होंगे –

(1) **राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा** (वस्तुनिष्ठ प्रश्न ओ.एम.आर.शीट आधारित)।

(2) **राज्य सेवा मुख्य परीक्षा** (लिखित वर्णनात्मक)।

(3) **साक्षात्कार।**

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार (बहुविकल्पीय प्रश्न) के दो प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र की रचना निम्नलिखित योजनानुसार की जाएगी :–

प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	2 घंटे	200 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	सामान्य अभिरुचि परीक्षण	2 घंटे	200 अंक

3. यह परीक्षा केवल छानबीन परीक्षण (Eligibility Test) के रूप में ली जाती है। इस परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर अभ्यर्थियों का मुख्य परीक्षा हेतु योग्य/अर्ह घोषित किया जाता है। अंतिम चयन सूची केवल मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंको के आधार पर निर्मित की जाएगी।

4. (1) दोनों प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार (बहुविकल्पीय प्रश्न) के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार सम्भावित उत्तर होंगे जिन्हें अ,ब,स और द में समूहीकृत किया जाएगा, जिनमें से एक सही उत्तर होगा। उम्मीदवार से अपेक्षा की जाती है कि वह उत्तर पुस्तिका में उसके द्वारा निर्णित सही माने गये अ,ब,स या द में से केवल एक उत्तर पर चिह्न लगाए।

(2) प्रत्येक प्रश्नपत्र में 2–2 अंक के 100 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र की समयावधि 2 घंटे होगी।

(3) प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन तथा सामान्य अभिरुचि–परीक्षण के विस्तृत पाठ्यक्रम परिशिष्ट–दो में यथा विनिर्दिष्ट हैं।

(4) प्रत्येक प्रश्न पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी में होगा।

(5) प्रारंभिक परीक्षा उपरांत परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों और उसके मॉडल उत्तरों की कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित कर ऑनलाइन पद्धति से 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएँगी। अभ्यर्थी प्रति प्रश्न आयोग द्वारा निर्धारित शुल्क तथा पोर्टल शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आपत्तियाँ जमा कर सकेंगे। 07 दिवस के निर्धारित अवधि के पश्चात् किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नानुसार कार्यवाही की जाएगी–

1. ऐसे प्रश्न जिनका मॉडल कुंजी में गलत उत्तर दिया गया है और प्रश्न के वैकल्पिक उत्तरों में दूसरा सही उत्तर उपलब्ध है तब मॉडल कुंजी को संशोधित किया जाएगा।

2. आपत्तियों के आधार पर निम्नानुसार पाए गए प्रश्नों को प्रश्नपत्र से विलोपित किया जाएगा :–

- ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में सही उत्तर न हो।
- ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर हों अथवा एक से अधिक विकल्पों में सही उत्तर की पुनरावृत्ति हो।
- प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद में भिन्नता हो जो प्रश्न को सार्थक रूप से प्रभावित करता हो।

विषय–विशेषज्ञों द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् मॉडल कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित की जाएगी।

उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गये प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर प्रारंभिक परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

5.चयनित अभ्यर्थियों की संख्या कुल रिक्त पदों की संख्या के वर्गवार/श्रेणीवार अधिकतम 15 गुना होगी। समान अंक प्राप्त (वर्गवार/श्रेणीवार) उम्मीदवारों को भी मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह घोषित किया जाएगा। केवल वे ही उम्मीदवार, जिन्हें आयोग ने संबंधित विज्ञापन के अधीन प्रारंभिक परीक्षा में अर्ह घोषित किया हो, मुख्य परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्र होंगे। मुख्य परीक्षा की पात्रता हेतु उम्मीदवार को प्रारंभिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवार हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 30 प्रतिशत होंगे।

विशेष :–

1. राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा का द्वितीय प्रश्नपत्र केवल क्वालीफ़ाइंग स्वरूप का होगा।
2. द्वितीय प्रश्न पत्र में प्राप्त अंकों को प्रारंभिक परीक्षा–परिणाम हेतु गुणानुक्रम–निर्धारण में शामिल नहीं किया जाएगा।
3. राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का पाठ्यक्रम भी राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के समान ही होगा।
4. राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा की मेरिट सूची प्रथम व द्वितीय दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर तैयार की जाएगी।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

परीक्षा योजनाः–

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा में निम्नानुसार कुल 06 प्रश्नपत्र होंगे। सभी प्रश्न पत्र अनिवार्य हैं:

स.क्र.	विषय	अवधि	पूर्णांक	माध्यम
प्रथम प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन–I (इतिहास, भूगोल)	03 घंटे	300	हिन्दी अथवा अंग्रेजी
द्वितीय प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन–II (राजनीति, अर्थशास्त्र एवं समाज शास्त्र)	03 घंटे	300	हिन्दी अथवा अंग्रेजी
तृतीय प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन–III (विज्ञान एवं तकनीकी)	03 घंटे	300	हिन्दी अथवा अंग्रेजी
चतुर्थ प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन–IV (दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन)	03 घंटे	200	हिन्दी अथवा अंग्रेजी
पंचम प्रश्नपत्र	सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण	03 घंटे	200	हिन्दी
षष्ठ प्रश्नपत्र	हिन्दी निबंध एवं प्रारूप लेखन	02 घंटे	100	हिन्दी

साक्षात्कार :– 175 अंक

कुल अंकः– 1575

1) सामान्य अध्ययन के प्रथम प्रश्न पत्र में पूर्णांक–300 हैं तथा समय–3 घंटे होगा।

सामान्य अध्ययन के प्रथम प्रश्नपत्र में दो खंड 'अ' तथा 'ब' रहेंगे। प्रत्येक खंड 150 अंकों का होगा। प्रत्येक खंड पाठ्यक्रम के अनुसार 05 इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई से 03 अति लघु उत्तरीय, 02 लघु उत्तरीय तथा 01 दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी।

- प्रत्येक इकाई में अति लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 03 अंक तथा लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 05 अंक एवं दीर्घ उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 11 अंक पूर्णांक होंगे।
- इस प्रकार प्रत्येक इकाई के लिये कुल पूर्णांक अंक 30 होंगे।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

- इसी प्रकार दोनों खंड 'अ' तथा 'ब' में कुल पूर्णांक 150–150 होंगे।
- अतः प्रथम प्रश्न पत्र के पूर्णांक 300 होंगे।
- प्रत्येक अति लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी।
- प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/5 से 6 पंक्तियाँ होंगी।
- प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द होगी।

2) सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्न पत्र में पूर्णांक–300 हैं तथा समय–3 घंटे होगा।

- सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्नपत्र में दो खंड 'अ' तथा 'ब' रहेंगे। प्रत्येक खंड 150 अंकों का होगा। प्रत्येक खंड पाठ्यक्रम के अनुसार 05 इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई से 03 अति लघु उत्तरीय, 02 लघु उत्तरीय तथा 01 दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी।
- प्रत्येक इकाई में अति लघुत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 03 अंक तथा लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 05 अंक एवं दीर्घ उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 11 अंक पूर्णांक होंगे।
- इस प्रकार प्रत्येक इकाई के लिये कुल पूर्णांक अंक 30 होंगे।
- इसी प्रकार दोनों खंड 'अ' तथा 'ब' में कुल पूर्णांक 150–150 होंगे।
- उपर्युक्तानुसार प्रथम प्रश्न पत्र के पूर्णांक 300 होंगे।
- प्रत्येक अति लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी।
- प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/5 से 6 पंक्तियाँ होंगी।
- प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द होगी।

3) सामान्य अध्ययन के तृतीय प्रश्न पत्र में पूर्णांक–300 हैं तथा समय–3 घंटे होगा।

- सामान्य अध्ययन के तृतीय प्रश्नपत्र 10 इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई से 03 अति लघु उत्तरीय, 02 लघु उत्तरीय तथा 01 दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी।
- प्रत्येक इकाई में अति लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 03 अंक तथा लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 05 अंक एवं दीर्घ उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 11 अंक पूर्णांक होंगे।
- इस प्रकार प्रत्येक इकाई के लिए कुल पूर्णांक अंक 30 होंगे।
- इस प्रश्नपत्र में कुल पूर्णांक 300 होंगे।
- प्रत्येक अति लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी।
- प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/5 से 6 पंक्तियाँ होगी।
- प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द होगी।

4) सामान्य अध्ययन के चतुर्थ प्रश्न पत्र में पूर्णांक–200 है तथा समय–3 घंटे होगा।

- सामान्य अध्ययन का चतुर्थ प्रश्नपत्र 05 इकाइयों में विभाजित है जिसमें प्रथम से चतुर्थ इकाई तक, प्रत्येक इकाई से 05 अति लघु उत्तरीय, 02 लघु उत्तरीय तथा 01 दीर्घ उत्तरीय या निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी।
- प्रथम से चतुर्थ इकाई तक, प्रत्येक इकाई में अति लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक तथा लघु उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 05 अंक एवं दीर्घ उत्तरीय प्रत्येक प्रश्न के लिये 20 अंक पूर्णांक होंगे।
  इस प्रकार प्रथम से चतुर्थ इकाई तक, प्रत्येक इकाई के लिये कुल पूर्णांक अंक 40 होंगे।
- प्रश्न पत्र की पाँचवी इकाई में संपूर्ण पाठ्यक्रम से 02 केस स्टडी की समीक्षात्मक टीप लिखनी होगी। प्रत्येक केस स्टडी के लिये 20 अंक प्रदाय किए जाएँगे।
- इस प्रश्नपत्र में कुल पूर्णांक 200 होंगे।
- प्रत्येक अति लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी।
- प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/5 से 6 पंक्तियाँ होंगी।
- प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द होगी।
- प्रत्येक केस स्टडी के लिये आदर्श शब्द सीमा 500 शब्द होंगी।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

5) पंचम प्रश्न पत्र में पूर्णांक–200 हैं तथा समय–3 घंटे होगा।

- पंचम प्रश्नपत्र सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण का होगा।
- प्रथम प्रश्न में लघु उत्तरीय कुल 25 प्रश्न होंगे जो कि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का होगा।
- द्वितीय प्रश्न अलंकारों से संबंधित होगा। जिसमें 02 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 05 अंको का होगा।
- तृतीय प्रश्न में 02 उप प्रश्न होंगे जिनमें वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद 20 अंकों का तथा अंग्रेजी से हिन्दी में 15 अंकों का होगा। इस प्रकार अनुवाद हेतु कुल अंक 35 होंगे।
- चतुर्थ प्रश्न हिन्दी व्याकरण से संबंधित होगा जिसमें संधि, समास, विराम चिह्न इत्यादि से प्रश्न पूछे जाएँगे। इसमें कुल अंक 20 होंगे।
- पाँचवा प्रश्न प्रारंभिक व्याकरण एवं शब्दावलियों से संबंधित होगा। इसके कुल अंक 20 होंगे।
- छठा प्रश्न अपठित गद्यांश से संबंधित होगा। इसमें कुल अंक 20 होंगे।
- सातवाँ प्रश्न पल्लवन अथवा भाव–पल्लवन से संबंधित होगा। इसमें कुल 10 अंक होंगे।
- आठवाँ प्रश्न गद्यांश के संक्षेपण से संबंधित होगा। इसमें कुल 10 अंक होंगे।
- प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी। आवश्यकतानुसार किसी प्रश्न में उप प्रश्न भी हो सकते हैं।

6) षष्ठ प्रश्न पत्र में पूर्णांक–100 हैं तथा समय–2 घंटे होगा।

- षष्ठ प्रश्नपत्र हिन्दी निबंध एवं प्रारूप लेखन का होगा।
- प्रश्न पत्र में कुल तीन प्रश्न होंगे।
- प्रश्न क्रमांक–1 प्रथम निबंध होगा जिसमें किसी एक विषय पर 1000 शब्दों में निबंध हिन्दी में लिखना होगा। प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। यह प्रश्न 50 अंकों का होगा।
- प्रश्न क्रमांक–2 द्वितीय निबंध समसामयिक समस्या एवं निदान से संबंधित होगा। जिसमें किसी एक विषय पर 500 शब्दों में निबंध हिन्दी में लिखना होगा। प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। यह प्रश्न 25 अंकों का होगा।
- प्रश्न क्रमांक–3 प्रारूप लेखन से संबंधित होगा। इसमें किन्हीं दो प्रारूपों का लेखन हिन्दी में करना होगा। प्रत्येक प्रारूप लेखन में आदर्श शब्द सीमा 250 शब्द होगी। प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। यह प्रश्न 25 अंकों का होगा।
- प्रश्नों की संख्या आवश्यकतानुसार कम या अधिक की जा सकेगी। आवश्यकतानुसार किसी प्रश्न में उप प्रश्न भी हो सकते हैं।

INTERVIEWS- 175
GRAND TOTAL 1575

•**AGE LIMIT**– 21 TO 40 as on next 1 January For Female, ex. Govt. SC, ST,OBC , P.C- 45 years. Dy. S.P. – 21 to 28 year, For SC/ST/OBC – 38 Years

A Candidate must have attained the age of 21 (twenty-one) years and must not have attained the age of 40 (MP domicile only) and for other state 21 to 28.years on the first of January, following the date of publication of the advertisement:

MAX. ATTEMTS – Unlimited
QUALIFICATION –Graduation

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE